पुणा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade -V

Sanskrit

Specimen Copy

Aug & Sept

Year- 2021-22

अनुक्रमणिका

NO	TITLE CHP-1 to 6	PAGE-NO
पञ्चमः पाठः	'अकारान्त'नपुंसकलिंगशब्दाः	
षष्ठः पाठः	धातु-प्रयोगः	

पञ्चमः पाठः 'अकारान्त 'नपुंसकलिंग-शब्दाः

पाठ का परिचय

'अकारान्त 'नपुंसकलिंग-शब्दाः

जिन शब्दों के अन्त में 'अ' होता है तथा पुरुष अथवा स्त्री जाति के बारे में नहीं बताते, वे शब्द नपुंसकलिंग कहलाते हैं।

जैसे- 1-फल - फ + अ + ल + अ

2- पुस्तक- प + उ + स + त + क + अ

ये दोनों उदाहरणों में शब्द के अन्त में 'अ' है तथा दोनों शब्द पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध नहीं कराते हैं अतः ये दोनों शब्द स्वतन्त्र होने के कारण नपुंसकलिंग हैं।

फलम	फले	फलानि

शब्दार्थाः

- अहम - मैं
- फलम - फल
- पुस्तकम - किताब
- गृहम - घर
- वस्त्रम - कपड़ा
- पुष्पम - फूल
- दुरदर्शनम -टेलीविजन
- विकसति -खिलता है
- अस्मि - हूँ
- पत्रम - पत्ता
- कमलम - कमल
- रुप्यकम - रुपया
- आम्रम - आम
- संगणकम - कम्प्यूटर
- उद्यानम - वाटिक

अभ्यासकार्यम

प्र-1 निम्नलिखितान शब्दान संस्कते न लिखत-

1- दोफूल - पुष्पे

2- एक पुस्तक - पुस्तकम

3- अनेक मित्र - मित्राणि

4- दोआँखें - नेत्रे

5- एक पत्ता - पत्रम

6- अनेकफल - फलानि

प्र-2 उचितान अर्थानि मेलयत-

क	ख
1- गृहाणि	क- एक टेलीविजन
2- चित्रे	ख- दो वाटिकाएँ
3- पुस्तके	ग- अनेक घर
4- शस्त्रम	घ- अनेक मित्र
5- मित्राणि	ड़- दो पुस्तकें
6- उद्याने	च- एक शस्त्र
7- दूरदर्शनम	छ- दो चित्र

उत्तर- 1- ग, 2-छ, 3-ड़, 4-च, 5-घ, 6-ख, 7-क

बहुवैकल्कि प्रश्नाः

प्र-3 प्रदत्तेषु विकल्पेषु उचितान शब्दान चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- ---------- चलतः। (चक्रम, चक)

2- ---------- स्तः। (नेत्राणि, नेत्रे)

3- ---------- सन्ति। (फलम, फलानि)

4- ---------- पतन्ति। (पत्रे, पत्राणि)

5- ---------- गच्छथः। (मित्रम, मित्रे)

6- ---------- सन्ति। (पुस्तकम, पुस्तकानि)

7- ---------- अस्ति। (कृषिक्षेत्रम, कषिक्षेत्रे)

8- ---------- सन्ति। (भूषणानि, भूषणम)

9- ---------- सन्ति। (यन्त्रम, यन्त्राणि)

10- ---------- पतति। (फलम, फले)

प्रवृत्ति

- अकारान्त नपुंसकलिंग शब्दः लिखत। (दश)

षष्ठःपाठः धातु-प्रयोगः

पाठ का परिचय

धातु अर्थात क्रिया। संस्कृत में क्रिया के लिए धातु का प्रयोग होता है। वाक्य की रचना के लिए धातुओं की आवश्यकता होती हैं।

जैसे- खानेके लिए 'खाद'

पढ़नेके लिए 'पठ'

लिखनेके लिए 'लिख'

विशेष- संसार के सभी प्राणी तथा वस्तुओं को प्रथम पुरुष माना गया है।

जैसे- रामः, मोहनः, अध्यापकः, सिंह, पुस्तकम

पथम पुरुष के तीनों वचनों की क्रियाओं का प्रयोग

	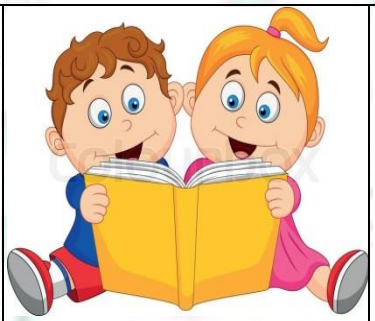	
बालकः पठति।	बालकौ पठतः।	बालकाः पठन्ति।

कुछ क्रियाओं के रूप-

धातु	अर्थ	एकवचन	द्विवचन	ब्हुवचन
गम	जाना	गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति
खेल	खेलना	खेलति	खेलतः	खेलन्ति
दृश	डेखना	पश्यति	पश्यतः	पश्यन्ति
दा(यच्छ)	डेना	यच्छति	यच्छतः	यच्छन्ति
पा(पिब)	पीना	पिबति	पिबतः	पिबन्ति
भ्रम	घूमना	भ्रमति	भ्रमतः	भ्रमनित
अस	होना	अस्ति	स्तः	सन्ति

शब्दार्थाः

- पतति - गिरना
- धावति - दौड़ना
- लिखति - लिखना
- विकसति - खिलना
- पठति - पढ़ना
- नृत्यति- नाचना
- तरति - तैरना

अभ्यासकार्यम

प्र-1 रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- पत्रे ---------। (पततः, पतति)

2-अश्वः ---------। (धावति, धावन्ति)

3- छात्रः ---------। (लिखतः, लिखति)

4- कमलानि ---------। (विकसति, विकसन्ति)

प्र-2 निम्नलिखित- धातुभिः सह अर्थानि मेलयत

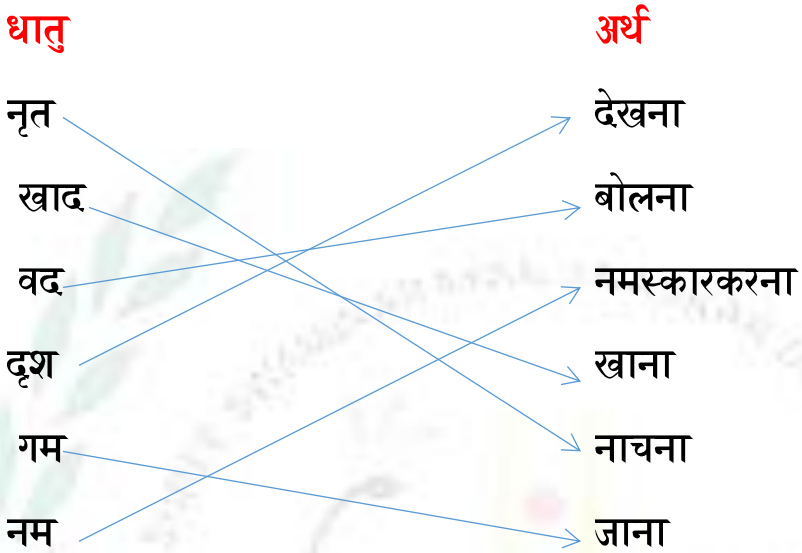

प्र-3 उचिंत क्रियापदचिनुत-

1- वद, लट, प्रथम पु बहुवचन

(क) वदति (ख) वदन्ति (ग) वदतः

2- नम, लट, प्रथम पु एकवचन

(क) नमति (ख) नमतः (ग) नमन्ति

3- क्रीड, लट, प्रथम पु द्विवचन

(क) क्रीडन्ति (ख) क्रीडति (ग) क्रीडत

4- स्था, लट, प्रथम पु-बहुवचन

(क) तिष्ठन्ति (ख) तिष्ठति (ग) तिष्ठतः

5- धाव, लट, प्रथम पु द्विवचन

(क) धावति (ख) धावन्ति (ग)धावतः